आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 अंक - 144 उज्जैन, गुरूवार 17 अप्रैल 2025 कुल पृष्ठ - 8, कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन किसानों के समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए मंत्रिपरिषद ने दी है मिशन को सैद्धांतिक मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि आधारित राज्य है और इस क्षेत्र में यहां अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आय, कृषि उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन में वृद्धि के साथ-साथ खाद्य प्र-संस्करण और कृषि से उत्पादित कच्चे माल पर आधारित औद्योगिक इकाई स्थापित करने जैसे हर संभव प्रयास जारी हैं। किसानों और गौपालकों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण दूर करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से पूरी ऊर्जा के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं तैयार की जा रही हैं। मध्यप्रदेश में वर्तमान दुग्ध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर जल्द से जल्द 20 प्रतिशत तक करने के लिए राज्य सरकार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना प्रारंभ की है। इससे हम घर-घर गोकुल तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमने गौशालाओं में दुधारू पशुओं के लिए भी अनुदान राशि बढ़ाने का भी निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत ञ्च2047 के विजन के अनुरूप हमारी सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी कल्याण के लिए मिशन शुरू कर दिए हैं। मंत्रि-परिषद की गत दिवस मंगलवार को बैठक में मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मध्यप्रदेश को विशेषकर गरीबों औरकिसानों को आर्थिक रूप से सुखी और समृद्ध बनाने के लिए प्राण-प्रण से कार्य कर रही है।

मरीज को घसीटा फिर की बेरहमी से पिटाई, सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के पास एक रिहैब सेंटर में मरीज के साथ क्रूरता की गई। पहले मरीज को घसीटा गया, फिर उसके साथ क्रूरता से मारपीट की गई। इसके बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

फुटेज में दिखाया गया है कि इलाज करा रहे एक व्यक्ति को एक कमरे में बंद कर दिया गया। वीडियो में आगे देखा गया, एक मरीज को घसीटा गया और उसके साथ क्रूरता से मारपीट की गई, जिसके बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

व्यक्ति की डंडे से हुई पिटाई- व्यक्ति को वीडियो में डंडे से पीटा गया, जबकि अन्य लोग यह सब देख रहे हैं। जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, व्यक्ति को बार-बार घसीटा जाता हुआ देखा जा सकता है। जल्द ही, एक अन्य व्यक्ति उसे डंडे से पीटना शुरू कर देता है। ये दृश्य बेंगलुरु से लगभग 30 किलोमीटर दूर नेलमंगला ग्रामीण पुलिस क्षेत्राधिकार के भीतर एक निजी पुनर्वास सुविधा के हैं।

पुलिस के अनुसार, वीडियो हाल ही में सामने आया है, लेकिन घटना पहले की है। इसमें शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हिंदू लड़के के साथ बैठी मुस्लिम लड़की से मारपीट, पुलिस ने चार आरोपितों को पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एक पार्क में एक हिंदू लड़के और मुस्लिम लड़की से मारपीट की गई और उनको धमकाया गया। घटना चंद्रा सुवर्णा लेआउट पार्क में हुई। यह घटना मंगलवार को इंटरनेट मीडिया पर दो मिनट 14 सेकेंड का वीडियो प्रसारित होने के बाद सामने आई। युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

वीडियो में एक व्यक्ति हिंदू लड़के और मुस्लिम लड़की की बातचीत रिकॉर्ड कर रहा है और युवती से बुर्का सौंपने के लिए कहता है और उसे धमकाता हुआ दिखाई देता है। वीडियो में दिख रहा है कि एक समूह जोड़े के पास जाता है और युवती से उसका नाम पूछता है। जब वह युवक के पीछे छिपने की कोशिश करती है तो वे उससे पूछते हैं कि वह मुसलमान है और वह हिंदू है। दोनों एक साथ कैसे बैठ सकते हैं?

बार-बार युवती का नाम पूछता रहा शख्स- युवक ने जवाब दिया कि वे दोस्त हैं। समूह में से एक व्यक्ति का दावा है कि वे दोस्त से बढ़कर हैं और उसके पास सुबूत के तौर पर पूरा वीडियो है।

कांग्रेस को धरने का हक, जमीन और धन लूटने का नहीं; बीजेपी का कांग्रेस पर बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने नेशनल हेराल्ड मामले में देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन की घोषणा पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। भाजपा नेता ने कहा बीजेपी की ओर से, मैं शुरू में ही स्पष्ट करना चाहता हूं कि हालांकि कांग्रेस पार्टी को निश्चित रूप से शक्तियां और धरना देने का अधिकार है, लेकिन यह सरकार द्वारा नेशनल हेराल्ड को दी गई सार्वजनिक संपत्ति का दुरुपयोग करने तक सीमित नहीं है।

कांग्रेस पर जमकर साधा निशाना - उन्होंने कहा, कांग्रेस ने राजनीतिक पार्टी होने के बावजूद पार्टी फंड को एक निजी संस्था को दे दिया, जो प्रतिबंधित है। जब कंपनी ने लोन वापस करने से मना कर दिया, तो पूरी संपत्ति परिवार के नाम करने की कॉरपोरेट साजिश की गई। यंग इंडियन नाम की एक नई कंपनी बनाई गई, जिसमें 38-38ञ्च हिस्सेदारी राहुल गांधी और सोनिया गांधी के पास थी।

रविशंकर प्रसाद ने कहा, हम भाजपा की ओर से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस से पूछना चाहते हैं कि क्या कानून को अपना काम नहीं करना चाहिए? हजारों करोड़ की संपत्ति पर आपने गैरकानूनी और गलत तरीके से कब्जा कर लिया है, तो क्या हमें इसपर चुप रहना चाहिए।

सोनिया और राहुल जमानत पर बाहर हैं- उन्होंने आरोपी लगाते हुए कहा कि, परिवार ने 90 करोड़ की संपत्ति मात्र 50 लाख में खरीद ली। परिवार के एक अन्य सदस्य ने 3 करोड़ में जमीन खरीदी और उसका व्यवसायीकरण करके उसे 58 करोड़ में बेच दिया।

सिद्दरमैया की बढ़ीं मुश्किलें, मुडा भूमि घोटाले में कोर्ट ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में एक स्पेशल बेंगलुरु कोर्ट ने झटका दे दिया है और उनके खिलाफ लोकायुक्त पुलिस की जांच में उन्हें दी गई क्लीन चिट को स्वीकार करने के बजाय उसकी गहन जांच जारी रखने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने लोकायुक्त पुलिस को दिया यह निर्देश- जन प्रतिनिधियों के लिए बने विशेष अदालत ने मंगलवार को लोकायुक्त पुलिस द्वारा प्रस्तुत बी रिपोर्ट पर अपना फैसला टाल दिया, जिसमें सिद्दरमैया को आरोपों से मुक्त कर दिया गया था। कोर्ट ने लोकायुक्त पुलिस को निर्देश दिया कि कोई भी फैसला सुनाए जाने से पहले एक व्यापक अंतिम रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की जाए।

याचिका पर अब कोर्ट सात मई को सुनवाई करेगा

मुडा भूमि घोटाले मामले में कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस द्वारा दायर बी रिपोर्ट के खिलाफ ईडी द्वारा दायर याचिका पर अब कोर्ट सात मई को सुनवाई करेगा। ईडी और शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने लोकायुक्त पुलिस की क्लीन चिट रिपोर्ट को चुनौती देते हुए आपत्ति दर्ज कराई थी।

सुनवाई के दौरान जज संतोष गजानन भट ने कहा कि बी रिपोर्ट पर निर्णय तभी लिया जाएगा जब लोकायुक्त पुलिस पूरी जांच रिपोर्ट पेश करेगी। इसके बाद कोर्ट ने कार्यवाही स्थगित कर दी और अगली सुनवाई तय कर दी।

तीर्थयात्रियों को लेकर सबरीमाला जा रही बस एरुमली के पास पलटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के एरुमली के पास एक निजी बस के पलट जाने से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना बुधवार सुबह करीब 6.30 बजे हुई थी।

बता दें, बस कर्नाटक से तीर्थयात्रियों को लेकर सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर के लिए जा रही थी। एरुमली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जिस राजमार्ग पर यह दुर्घटना हुई, उसमें तीखे मोड़ और ढलान है।

अमेरिका और चीन के ट्रेड वॉर ने दी भारत को टेंशन, इन 2 वजहों से बढ़ सकती है परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से छेड़े गए ट्रेड वॉर का असर फिलहाल चीन पर सबसे ज्यादा दिख रहा है। भारत अब तक इसका खास फर्क नहीं पड़ा है, लेकिन आने वाले दिनों को लेकर सरकार की चिंता जरूर बढ़ गई है। यह चिंता इस बात की है कि अमेरिकी कृषि उत्पादों का आयात भारत में बढ़ सकता है। इसके अलावा चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया की फैक्ट्रियों में बने माल का भी भारत में आयात बढ़ने की आशंका है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि अमेरिका ने मोटा टैरिफ लगाया है। ऐसे में चीन समेत ये देश अपने माल के लिए भारत जैसा बाजार तलाशना चाहेंगे। इसके अलावा चीन ने भी जवाबी ऐक्शन में अमेरिका पर 125 पर्सेंट का टैरिफ लगाया है। इससे निपटने के लिए अमेरिका का फोकस भी भारतीय बाजार पर ही बढ़ सकता है। यह स्थिति भारत के घरेलू बाजार के लिए चिंताजनक होगी। पहले ही भारत की चिंता रही है कि चीन, अमेरिका जैसे देशों से वह व्यापारिक असंतुलन का सामना कर रहा है। अब यदि आयात में और इजाफा हुआ तो असंतुलन बढ़ जाएगा। एक सरकारी अधिकारी ने ऐसी आशंकाएं जाहिर करते हुए कहा, एक आकलन किया गया है, जिसमें यह चिंता सामने आई है कि रेसिप्रोकल टैरिफ के चलते छिड़े ट्रेड वॉर का असर भारत पर दिखेगा। अमेरिका, चीन, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे देश भारत में अपना माल बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा अमेरिका भी अपने कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार में आक्रामकता से जुट सकता है। सोयाबीन जैसे उत्पादों का अमेरिका की ओर से बड़े पैमाने पर चीन को आयात होता रहा है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कॉमर्स मिनिस्ट्री ने एक हेल्पडेस्क ही शुरू की है। इसे ग्लोबल टैरिफ ऐंड ट्रेड हेल्पडेस्क नाम दिया गया है। इसके जरिए यह कोशिश की जाएगी कि इंपोर्ट को बढ़ने न दिया जाए और भारतीय उद्योगों एवं उत्पादों की स्थिति मजबूत बनी रहे। इसी महीने की शुरुआत में मंत्रालय ने एक मीटिंग भी की थी, जिसमें मंथन हुआ कि ट्रेड वॉर के कारण कैसे इंपोर्ट बढ़ सकता है। भारत के लिए यह इसलिए भी चिंता की बात है कि जब अमेरिका और चीन जैसे देश व्यापारिक असंतुलन दूर करने के लिए टैरिफ लगाने की बात कर रहे हैं, तब भारत में यह बढ़ सकता है।

सड़क से ज्यादा डैशबोर्ड देखने को मजबूर ड्राइवर, जानिए क्यों बढ़ रहे सड़क हादसे; क्या बदलेगा नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में हर चीज में एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हो रहा है, जिससे लोगों को ज्यादा सुविधा मिल रही है। लेकिन नई कारों में जिस हिसाब से डैशबोर्ड पर टच स्क्रीन लगाई जा रही है, ये ड्राइवरों के लिए परेशानी का कारण भी बन रही है।

ड्राइवर क्यों हैं परेशान?

नई कारों में भले ही एडवांस सेफ्टी और इन्फोटेनमेंट फीचर्स डाले जा रहे हैं, लेकिन टच स्क्रीन की मदद से कार के फीचर्स को कंट्रोल करना ड्राइवर के लिए आसान नहीं है। इन स्क्रीन्स की वजह से ड्राइवर की नजर सड़क से ज्यादा डैशबोर्ड पर होती है, जिससे दुर्घटना भी हो सकती है।

पहले जो काम बटनों से चंद सेकेंड में हो जाता था, उससे ज्यादा समय अब स्क्रीन पर मेन्यू खोजने और फोकस करने में लग जाता है। इससे ड्राइविंग मुश्किल हो रही है, साथ ही हादसों का जोखिम भी बढ़ रहा है।

ब्रिटेन की मोटरिंग मैगजीन की स्टडी में क्या पाया गया- ब्रिटेन की वीकली मोटरिंग मैगजीन ऑटो एक्सप्रेस की स्टडी में 10 लोकप्रिय के टच स्क्रीन सिस्टम की टेस्टिंग की गई।

ड्राइवर्स को पांच सामान्य टास्क जैसे नेविगेशन सेट करना, रेडियो ट्यून करना और हीटेड सीट ऑन करना का टास्क दिया गया था।

स्टडी में स्कोडा, मर्सिडीज और मिनी जैसी कंपनियों के सिस्टम सबसे आसान और कम समय में ऑपरेट होने वाले मिले।

जेनेसिस, प्यूजो और फोर्ड जैसी कंपनियां इस टास्क में पीछे रह गई।

स्कोडा के ड्राइवर ने 4.8 सेकंड में ये काम कर लिया, जबकि जेनेसिस के ड्राइवर को 13.6 सेकंड लगे।

साल 2026 से ब्रिटेन में बदलेगा सेफ्टी नियम- जिस प्रकार से जटिल सिस्टम गाड़ियों में डाले जा रहा हैं, इससे ड्राइवरों की नाराजगी बढ़ रही है और इस कारण से कारों की बिक्री पर भी असर पड़ सकता है। ड्राइवर मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी पर काम करने वाली कंपनी सीइंग मशीन्स के चीफ सेफ्टी ऑफिसर डॉ. माइक लेने ने कहा कि ह्यूमन फैक्टर डिजाइन ड्राइवरों की जरूरतों को समझकर टेक्नीक को सहज बनाता है।

ट्रेड वार और गहराया, ट्रंप ने फोड़ा एक और टैरिफ बम; चीन से वसूलेगा 245% टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर अभी फिलहाल तो रुकते हुए नहीं दिख रहा है। दोनों ही देश एक दूसरे पर एक्शन पर एक्शन लिए जा रहे हैं। 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, इसके विरोध में चीन ने अमेरिका पर उतना ही टैरिफ लगा दिया था।

कितने प्रतिशत बढ़ा टैरिफ- इसके बाद अमेरिका ने 34 प्रतिशत से बढ़ाकर 84 प्रतिशत और फिर 125 प्रतिशत टैरिफ कर दिया था। फिर जब इस टैरिफ का जवाब चीन से मिला तो अमेरिका ने चीन पर अब 245% टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर बढ़ाए गए टैरिफ पर फैसला लिया है। ट्रंप के

इस फैसले के बाद अब दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर और तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

245% टैरिफ पर चीन का जवाब- अमेरिका द्वारा 245 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की घोषणा के बाद चीन की तरफ से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया सामने आई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन व्यापार युद्ध लड़ने से नहीं डरता है।

इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि बातचीत के लिए मेज पर आना बीजिंग पर निर्भर करता है। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट द्वारा एक ब्रीफिंग में दिए गए बयान के अनुसार, मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था, गेंद अब चीन के पाले में है। चीन को हमारे साथ समझौता करने की जरूरत है।

ट्रंप ने किन देशों पर लगाए थे आरोप- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन, भारत, ब्राजील और दुनिया के कई देशों पर आरोप लगाया था कि वे अमेरिका द्वारा उनसे आयात किए जाने वाले सामानों पर लगाए जाने वाले टैरिफ से अधिक टैरिफ लगाते हैं। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ का मुद्दा उनके चुनाव अभियान के दौरान अहम मुद्दा था। अब अमेरिका द्वारा जैसे को तैसा टैरिफ लगाए जाने के बाद अन्य देश अपने करों को कम करने के लिए मजबूर होंगे या फिर अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को गति मिलेगी और इससे स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

जापान में बढ़ रहा आबादी संकट, जनसंख्या में लगातार 14वें वर्ष गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान की जनसंख्या में लगातार 14वें वर्ष गिरावट आई है। क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सरकार के अनुमान में बताया गया है कि जन्म दर में गिरावट के बीच अक्टूबर 2024 तक जापान की आबादी 12 करोड़ तीन लाख रही। यह एक साल पहले की तुलना में रिकॉर्ड आठ लाख 98 हजार कम है।

जापान की कुल आबादी 12 करोड़ 38 लाख रही

विदेशियों सहित कुल आबादी 12 करोड़ 38 लाख रही। इसमें भी साढ़े पांच लाख की कमी आई है। 14 वर्ष या इससे कम आयु के लोगों की संख्या एक करोड़ 38 लाख रही, जो कुल जनसंख्या का 11.2 प्रतिशत है।

लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का लगभग 17 प्रतिशत हो गई है

कामकाजी आयु वर्ग की आबादी (15-64 वर्ष) घटकर कुल जनसंख्या का 59.6 प्रतिशत रह गई है। 65 वर्ष या इससे अधिक आयु के लोगों का अनुपात कुल जनसंख्या का 29.3 प्रतिशत है। 75 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का लगभग 17 प्रतिशत हो गई है।

कुछ बड़ा होने वाला है? अमेरिका ने पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत भेजा, यहां होगी तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत भेज दिया है। उसने ईरान के साथ दूसरे दौर की वार्ता से पहले यह कदम उठाया है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर दोनों पक्षों में शनिवार को ओमान की राजधानी मस्कट में पहले दौर की वार्ता हुई। वार्ता सकारात्मक बताई गई थी। अब वाशिंगटन और तेहरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता रोम में हो सकती है।

अरब सागर में तैनात अमेरिकी विमानवाहक पोत- अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस कार्ल विंसन को अरब सागर में तैनात किया गया है। इस क्षेत्र में पहले से ही यूएसएस ट्रूमैन तैनात है। इस क्षेत्र में अमेरिकी सेना यमन में ईरान समर्थित हाउती विद्रोहियों को निशाना बना रही है।

ईरान पर दबाव बनाना चाहता है अमेरिका - अमेरिका के इस कदम को ईरान पर दबाव बनाने के रूप में देखा जा रहा है। मस्कट में पहले दौर की वार्ता के बाद अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता को लेकर सहमति बनी थी।

गेंद चीन के पाले में है, टैरिफ विवाद पर अमेरिका बोला- हमें नहीं... चिनफिंग को हमसे समझौता करने की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ मामले पर चीन और अमेरिका के बीच तनातनी का माहौल है। ट्रंप के टैरिफ के जवाब में चीन ने भी 125 फीसदी शुल्क अमेरिकी सामान पर लगा दिया है। इस बीच मंगलवार को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने चीन से जुड़े सवालों के जवाब दिए। टैरिफ विवाद के बाद टिकटॉक सौदे पर भी ग्रहण लगते दिख रहे हैं।

इस बीच ट्रंप प्रशासन ने 19 जून तक टिकटॉक को अमेरिका में कामकाज करने की मंजूरी दी है। जब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव से पूछा गया कि अगर चीन बातचीत को तैयार नहीं होता है तो इस पर लेविट ने कहा कि दो महीने का समय काफी है। मैं आगे नहीं बढ़ना चाहती। उपराष्ट्रपति इन वार्ताओं और बातचीत का नेतृत्व कर रहे हैं। राष्ट्रपति भी इसमें शामिल हैं।

चीन को हमसे समझौता करने की जरूत- जब उनसे पूछा गया कि क्या ट्रंप टिकटॉक डील करने के लिए चीन पर टैरिफ कम करेंगे तो लेविट ने कहा कि चीन पर राष्ट्रपति की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान को साझा किया और कहा कि ओवल ऑफिस में ट्रंप ने यह बात मुझसे कही थी कि गेंद चीन के पाले में है। चीन को हमारे साथ समझौता करने की जरूरत है। हमें उनके साथ समझौता करने की जरूरत नहीं है।

चीन को हमारा पैसा चाहिए- लेविट ने कहा कि सिर्फ बड़े होने के अलावा चीन और किसी भी अन्य देश के बीच कोई अंतर नहीं है। चीन वही चाहता है जो हमारे पास है... हर देश भी यही चाहता है। ये अमेरिकी उपभोक्ता हैं। अगर दूसरे शब्दों में कहें तो उन्हें हमारा पैसा चाहिए। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के साथ समझौता करने को तैयार हैं।

ब्रिटेन की जेलों में इस्लामी गिरोह का कब्जा, चल रहीं शरिया अदालतें; 22 साल में कितने बढ़े मुस्लिम कैदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन की हाई-सिक्टोरिटी जेलों के अंदर से एक चौंका देने वाली खबर बाहर आई है। यहां जेलों में इस्लामिक कट्टरपंथियों का दबदबा लगातार बढ़ता रहा है, जिस वजह से जेल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां गंभीर चिंता में पड़ गई है।

2017 में मैनचेस्टर एरीना में बम धमाका हुआ था। इस धमाके के दोषी हाशिम अबेदी ने 12 अप्रैल को एचएमपी फ्रैंकलैंड जेल में तीन जेल अधिकारियों पर हमला कर दिया। अबेदी ने अपने साथियों के साथ मिलकर गरम तेल और धारदार हथियारों से हमले को अंजाम दिया।

अबेदी द्वारा किए गए इस हमले के बाद एक बार फिर से ब्रिटेन की जेलों में मजबूत होते चरमपंथी नेटवर्क को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। लंदन के एक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रैंकलैंड जेल इस समय इस्लामिक गिरोहों के कब्जे में है, जहां कैदियों पर दबाव डालकर या धमकाकर अपने गिरोह में शामिल किया जा रहा है।

9/11 के बाद कट्टरपंथी कैदियों की कितनी हुई संख्या- अमेरिका में हुए 9/11 हमले के बाद ब्रिटेन में कट्टरपंथी कैदियों की संख्या में अचानक इजाफा हुआ था। 2017 तक ब्रिटेन की जेलों में आतंकवाद से जुड़े मुस्लिम कैदियों की संख्या 185 थी। 2024 तक यह संख्या घट गई और अब ये आंकड़ा 157 का है। लेकिन अभी भी ये सभी आतंकी कैदियों का 62% है।

टैरिफ वार के बीच चीन पर एडवांस साइबर हमले कर रहा अमेरिका? विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं व्यापार युद्ध में उलझी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) पर फरवरी में एशियाई शीतकालीन खेलों के दौरान आवश्यक उद्योगों को निशाना बनाकर एडवांस साइबर हमले करने का आरोप लगाया है।

साइबर हमले में तीन एनएसए अधिकारी हो सकते हैं शामिल- सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की मंगलवार की रिपोर्ट के अनुसार, चीन की पुलिस ने जांच के बाद तीन कथित एनएसए एजेंटों को वांछित सूची में शामिल किया है तथा कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और वर्जीनिया टेक पर भी हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया है।

ये लोग साइबर हमलों में भाग लेने का दोषी पाया गया- शिन्हुआ ने एनएसए एजेंटों की पहचान कैथरीन ए विल्सन, राबर्ट जे स्नेलिंग और स्टीफन डब्ल्यू जानसन के रूप में की है। तीनों को चीन के महत्वपूर्ण सूचना तंत्र पर बार-बार साइबर हमले करने और हुआवेई और अन्य उद्यमों पर साइबर हमलों में भाग लेने का दोषी पाया गया है। इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया कि दोनों अमेरिकी विश्वविद्यालय किस तरह से इसमें शामिल थे। शिन्हुआ ने हार्बिन शहर के सार्वजनिक सुरक्षा ब्यूरो का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिकी एनएसए ने हेइलोंगजियांग प्रांत में ऊर्जा, परिवहन, जल संरक्षण, संचार और राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संस्थानों जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों के खिलाफ साइबर हमले किए।

विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं व्यापार युद्ध में उलझी हुई हैं- चीन में अमेरिकी दूतावास ने टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया है।

इतनी भी जल्दबाजी क्या थी, पेड़ों की कटाई पर तेलंगाना सरकार पर सख्त सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के कांचा गोचीबोवली क्षेत्र में पेड़ों की कटाई का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है और इस मामले पर सुनवाई की गई। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए तेलंगाना सरकार पर सवाल खड़े किए हैं।

100 एकड़ जमीन कैसे होगी बहाल- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, अगर आप अपने मुख्य सचिवों को बचाना चाहते हैं तो हमें बताएं कि आप उन 100 एकड़ जमीन को कैसे बहाल करेंगे? इस तरह से पेड़ों की कटाई के बाद हम यह देखकर हैरान हैं कि जानवर कहां शरण की तलाश कर रहे हैं। हम नौकरशाहों और मंत्रियों की बात पर नहीं चलेंगे। शाकाहारी जानवर शेल्टर की तलाश में भाग रहे हैं, उन्हें आवार कुत्ते काट रहे हैं।

तेलंगाना में कांचा गाचीबोवली क्षेत्र में सैकड़ों एकड़ भूमि पर पेड़ों की बड़े पैमाने पर हुई कटाई के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को वहां किए जाने वाले सभी प्रकार के विकास कार्यों को रोकने का आदेश दिया था।

पेड़ों को काटने के लिए अदालत की अनुमति जरूरी है- आदेश में ये भी कहा गया था कि अगले आदेश तक वहां मौजूद पेड़ों की सुरक्षा को छोड़कर, किसी प्रकार की कोई गतिविधि राज्य सरकार द्वारा नहीं की जाएगी। जस्टिस बीआर गवई ने सुनवाई के दौरान कहा कि निजी वनों में भी पेड़ों को काटने के लिए अदालत की अनुमति की आवश्यकता होती है। जस्टिस गवई ने सुनवाई के दौरान पूछा, आखिर इतनी भी जल्दबाजी क्या थी? पेड़ों को काटने के लिए एक साथ इतने सारे बुलडोजर लगा दिए। हमें स्पष्टिकरण नहीं बल्कि समाधान चाहिए। समाधान बताइए नहीं तो हमें नहीं पता कि आपके कितने अधिकारियों को अस्थायी रूप से जाना पड़ेगा। तीन दिनों की छुट्टियों में ऐसा करने की क्या जल्दी थी? हम पर्यावरण की रक्षा के लिए यहां बैठे हैं।

बेंगलुरु में दर्दनाक हादसा, मेट्रो का वायाडक्ट ऑटोरिक्शा पर गिरा; ड्राइवर की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां नम्मा मेट्रो परियोजना का एक वायाडक्ट ऑटोरिक्शा पर जा गिरा। हादसे में चालक की जान चली गई। वहीं एक अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल है। यह घटना मंगलवार लगभग आधी रात को येलहंका के नजदीक कोगिलु क्रॉस के पास हुई है। मृतक चालक की पहचान कासिम साब के तौर पर हुई है। वह हेगड़े नगर का रहने वाला था।

बाल-बाल बच गया यात्री- पुलिस के मुताबिक कासिम अपने ऑटो में एक सवारी को बैठाकर नागवारा की तरफ जा रहा था। मेट्रो परियोजना का एक वायाडक्ट 18 पहियों वाले ट्रक से ले जाया जा रहा था। इसका इस्तेमाल एयरपोर्ट मेट्रो लाइन में किया जाना था। मगर उससे पहले कोगिलु क्रॉस पर मुड़ते वक्त ट्रक का ट्रेलर अपने इंजन से अलग होकर दो हिस्सों में बंट गया। इससे ट्रक पर लदा वायाडक्ट ऑटो रिक्शा पर जा गिरा। चालक की मौके पर मौत हो गई। वहीं यात्री बाल-बाल बच गया।

ऑटो पर बैठा रह गया चालक- पुलिस ने बताया कि हादसे से कुछ क्षण पहले ही यात्री ऑटो से उतर गया था। मगर चालक कासिम ऑटो पर ही बैठा रहा।

कौन हैं जस्टिस बीआर गवई जो होंगे देश अगले CJI? मुख्य न्यायधीश संजीव खन्ना ने सरकार को भेजी सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने औपचारिक रूप से न्यायमूर्ति बी.आर. गवई को अपना उत्तराधिकारी बनाने का प्रस्ताव दिया है। नियुक्ति प्रक्रिया के तहत यह सिफारिश विधि मंत्रालय को भेजी गई है। न्यायमूर्ति गवई वर्तमान में सीजेआई खन्ना के बाद सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि वो देश के 52वें मुख्य न्यायधीश होंगे।

परंपरा के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस ही अपने उत्तराधिकारी का नाम सरकार को भेजते हैं। इस बार भी यही प्रक्रिया अपनाई गई है। कानून मंत्रायल ने औपचारिक तौर पर जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम पूछा था, जिसके जवाब में उन्होंने जस्टिस गवई का नाम आगे बढ़ाया।

कौन हैं जस्टिस गवई- जस्टिस गवई को 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। उनका जन्म 24 नवंबर को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ था। वे दिवंगत आर.एस. गवई के बेटे हैं, जो बिहार और केरल के राज्यपाल रह चुके हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट में एडिशनल जज के रूप में उन्होंने 14 नवंबर 2003 को अपनी न्यायिक करियर की शुरुआत की थी। बतौर जज वो मुंबई, नागपुर, औरंगाबाद और पणजी के विभिन्न पीठों पर काम कर चुके हैं।

सोनिया-राहुल पर कार्रवाई से आगबबूला कांग्रेस, देशभर में ED दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन; हिरासत में कई नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय पर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल की है। इसके खिलाफ आज कांग्रेस पार्टी देशभर में प्रदर्शन कर रही है।

पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए श्वष्ठ का दुरुपयोग कर रही है। इस सिलसिले में कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार के खिलाफ राज्य मुख्यालयों में प्रवर्तन निदेशालय कार्यालयों के सामने और संबंधित राज्यों में जिला स्तर पर केंद्र सरकार के कार्यालयों के सामने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है। इसके बाद स्थिति को देखते हुए पुलिस भी वहां पहुंच गई है और कई लोगों को हिरासत में ले लिया है।

पीएम मोदी और अमित शाह धमकाने का काम कर रहे- चार्जशीट में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने चार्जशीट दाखिल होने के बाद कल कहा था कि पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह धमकाने का काम कर रहे हैं।

क्या है पूरा मामला? - मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने श्वष्ठ से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी।

12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। श्वष्ठ ने दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था।

सैंकड़ों साल पुरानी मस्जिदों... सिब्बल-सिंघवी की दलीलों पर क्या बोले CJI?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर आज (16 अप्रैल) सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले पर सुनवाई कर रही है। बता दें कि वक्फ कानून के खिलाफ करीब 70 याचिकाओं पर अदालत सुनवाई कर रही है।

एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, सहित अन्य याचिकाकर्ता के वकील कोर्ट में उपस्थित थे। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। कोर्ट अब अगली सुनवाई गुरुवार दोपहर 2 बजे करेगा।

वक्फ कानून के मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने क्या-क्या बड़ी बातें कही- सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा, केवल मुस्लिम ही बोर्ड का हिस्सा हो सकते थे। अब हिंदू भी इसका हिस्सा होंगे। यह अधिकारों का हनन है। आर्टिकल 26 कहता है कि सभी मेंबर्स मुस्लिम होंगे। यहां 22 में से 10 मुस्लिम हैं। अब कानून लागू होने के बाद से बिना वक्फ डीड के कोई वक्फ नहीं बनाया जा सकता है। सिब्बल की इस टिप्पणी पर CJI जस्टिस खन्ना ने कहा, इसमें क्या समस्या है? जस्टिस कुमार ने कहा, हमें उदाहरण दीजिए। क्या तिरुपति बोर्ड में भी गैर-हिंदू हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा, क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। हिंदुओं के दान कानून के मुताबिक, कोई भी बाहरी बोर्ड का हिस्सा नहीं हो सकता है। वक्फ प्रॉपर्टी है या नहीं है, इसका फैसला अदालत को क्यों नहीं करने देते।

14वीं और 16वीं शताब्दी की मस्जिद कहां से दिखाएंगे दस्तावेज- कोर्ट- सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बाई यूजर के प्रावधान पर भी सवाल किया। CJI खन्ना ने कहा कि कई पुरानी मस्जिदें हैं।

संयुक्त राष्ट्र पहुंचा औरंगजेब की कब्र का मामला, याकूब तुसी ने लिखा पत्र; सुरक्षा सुनिश्चित करने की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। औरंगजेब की कब्र का मामला अब संयुक्त राष्ट्र तक पहुंच गया है। याकूब हबीबुद्दीन तुसी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने महाराष्ट्र के शंभाजी नगर में स्थित औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

कब्र की सुरक्षा की उठाई मांग- तुसी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के कार्यालय से इस मामले का संज्ञान लेने को कहा। यह भी मांग की है कि केंद्र सरकार और एएसआई को निर्देश दिया जाए कि औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक पूर्ण कानूनी संरक्षण और सुरक्षा मिले।

पत्र में क्या हवाला दिया- याकूब ने अपने पत्र में हवाला दिया कि औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया गया है। यह प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम- 1958 के तहत संरक्षित भी है। उक्त अधिनियम के प्रावधानों के मुताबिक संरक्षित स्मारक पर या उसके आसपास कोई भी अनाधिकृत निर्माण, बदलाव व उत्खनन नहीं किया जा सकता है। ऐसी कोई भी गतिविधि कानून के तहत अवैध और दंडनीय मानी जाएगी।

गलत तरीके से पेश किए जा रहे ऐतिहासिक पहलू - याकूब हबीबुद्दीन तुसी ने कब्र की सुरक्षा में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की मांग की। अपने पत्र में आगे लिखा कि फिल्मों, मीडिया आउटलेट्स और सोशल प्लेटफॉर्म के जरिए ऐतिहासिक पहलुओं को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इसके माध्यम से जनता की भावनाओं से छेड़छाड़ की गई है। नतीजा यह हुआ कि अनुचित विरोध प्रदर्शन, नफरती अभियान और पुतले जलाने जैसी घटनाएं हुईं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण चतुर्थी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

स्वतंत्रता के बाद से ही पाकिस्तान भारत से बहुत पीछे और पीछे जाता चला गया...

स्वतंत्रता के बाद से ही पाकिस्तान भारत से बहुत पीछे और पीछे जाता चला गया। पाकिस्तान में जितनी भी सरकारें आई सब ने भारत का खुलकर विरोध किया और चीन के साथ मिलकर भारत के विरोध में आतंकी गतिविधियों को प्रश्रय देकर भुखमरी के गर्त में देश को डूबो दिया है, पाकिस्तान अपने सालाना बजट का अधिकांश पैसा सेना और आतंकवादी गतिविधियों में लगाकर अपनी अवाम को बेसहारा, भूखा छोड़ दिया , आने वाले 10 सालों में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति सुधरने की कोई गुंजाइश नहीं दिखाई दे रही है। पाकिस्तान अब इंटरनेशनल मोनेटरी फंड और चीन के कर्ज में सर से लेकर पैर तक डूबा हुआ है। पिछले 5 सालों से पाकिस्तान की हालत बहुत खस्ता है। पाकिस्तान आवाम भुखमरी और कर्ज की बेतहाशा शिकार हो गई है। पाकिस्तानी नागरिकों को आटा, दाल,चीनी,बिजली और पेट्रोल पहले से लगभग चार गुना महंगी दरों में लेना पड़ रहा है। शरीफ सरकार दोबारा आने के बाद पूरी तरह विफल हो गई, प्रधानमंत्री शरीफ की चीन यात्रा पूरी तरह विफल रही है अब शरीफ सरकार ने भारत और भारत के प्रधानमंत्री का नाम लेने पर देशद्रोह की कार्रवाई का फरमान जारी कर दिया है। कई मीडिया एजेंसियों पर इस संदर्भ में भारत से संबंधित किसी भी जानकारी प्रसारित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। केवल भारत के विरोध के मुद्दे को छोड़कर चीन ने पाकिस्तान का आर्थिक हालातो को सुधारने में कोई मदद करने का आश्वासन नहीं दिया है।पाकिस्तान अभी भी जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों को आर्थिक मदद कर घटनाओं का अंजाम देने में लगा है। ऐसे में वैश्विक नशे में पाकिस्तान के मानचित्र का विनष्ट होना निश्चित माना जा रहा है।

पाकिस्तान पहले से ही परेशान, कर्ज में डूबा हुआ और महंगाई, बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त रहा हैद्य शहबाज शरीफ सरकार के पास शासन चलाने के लिए पर्याप्त धनराशि भी नहीं हैद्य शरीफ के पास सरकार चलाने का पर्याप्त अनुभव भी नहीं हैद्य 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान सरकार में 19 प्रधानमंत्रियों में से एक प्रधानमंत्री भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सका है ।करेला ऊपर से नीम चढ़ा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके समर्थकों ने पाकिस्तानी सेना और शाहबाज शरीफ सरकार की नाक में दम कर रखा है। रावलपिंडी में इमरान खान पर गोली दागने से क्रोधित समर्थकों ने कई जगह सेना पर आक्रमण कर मेजर जनरल, गृहमंत्री राणा और प्रधानमंत्री के निवास को घेरकर तोड़फोड़ की थी। 1947 से स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार हुआ जब सेना के विरुद्ध पाकिस्तानी आवाम खुलकर विद्रोह करने पर आमादा है। ऐसा लगता है कि वहां सरकार तथा सेना के विरुद्ध आम नागरिकों का विद्रोह हो जाएगा। पहली बार कमर जावेद की सेना आवाम से डरी दिखाई दे रही है, पाकिस्तान विद्रोह की ज्वालामुखी पर बैठा है कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है।

यह तथ्य सार्वजनिक है कि पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा शागिर्द देश है। अमेरिका ने इसी के फल स्वरुप पाकिस्तान को सबसे संदिग्ध एवं खतरनाक आतंकवादी देश घोषित कर दिया है। इस बात से तिलमिलाकर शहबाज शरीफ चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं वहां वह आपसी संबंधों को फिर से सुधारने तथा देश चलाने के लिए आर्थिक मदद की गुहार लगाने जाएंगे। पाकिस्तान की हालत बहुत ज्यादा खराब एवं पतली है। पाकिस्तान में रोजमर्रा के खर्चे के लिए पैसे नहीं है और उस पर इमरान खान के समर्थक लगातार सड़कों पर मार्च कर रहे हैं । उन्होंने रावलपिंडी से लेकर इस्लामाबाद तक आंदोलन कर दिया है। चीन ने पाकिस्तान को पूरी तरह से आर्थिक रूप से गुलाम बनाकर अपना शिकंजा कस लिया है।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्वतंत्र भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति थे। उन्होंने डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाया। उनका कार्यकाल 13 मई, 1962 से 13 मई, 1967 तक रहा। उनका नाम भारत के महान् राष्ट्रपतियों की प्रथम पंक्ति में सम्मिलित है। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र इनका सदैव ऋणी रहेगा। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म तमिलनाडु के तिरूतनी ग्राम में, 5 सितंबर 1888 को हुआ था। इनका जन्मदिवस 5 सितंबर आज भी पूरा राष्ट्र शिक्षक दिवस के रूप में मनाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय संस्कृति के ज्ञानी, एक महान् शिक्षाविद, महान् दार्शनिक, महान् वक्ता होने के साथ ही साथ विज्ञानी हिन्दू विचारक थे। डॉक्टर राधाकृष्णन ने अपने जीवन के 40 वर्ष एक शिक्षक के रूप में व्यतीत किए थे। वह एक आदर्श शिक्षक थे।

जन्म- डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म तमिलनाडु के तिरूतनी ग्राम में, जो मद्रास ,अब चेन्नई से लगभग 64 कि? मी? की दूरी पर स्थित है, 5 सितंबर 1888 को हुआ था। यह एक ब्राह्मण परिवार से संबंधित थे। इनका जन्म स्थान एक पवित्र तीर्थस्थल के रूप में विख्यात रहा है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के पुरखे पहले सर्वपल्ली नामक ग्राम में रहते थे और 18वीं शताब्दी के मध्य में उन्होंने तिरूतनी ग्राम की ओर निष्क्रमण किया था। लेकिन इनके पुरखे चाहते थे कि उनके नाम के साथ उनके जन्मस्थल के ग्राम का बोध भी सदैव रहना चाहिए। इसी कारण इनके परिजन अपने नाम के पूर्व सर्वपल्ली धारण करने लगे थे। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक ग़रीब किन्तु विद्वान ब्राह्मण की दूसरी संतान के रूप में पैदा हुए। इनके पिता का नाम सर्वपल्ली वीरास्वामी और माता का नाम सीताम्मा था। इनके पिता राजस्व विभाग में वैकल्पिक कार्यालय में काम करते थे। इन पर बड़े परिवार के भरण-पोषण का दायित्व था। इनके पाँच पुत्र तथा एक पुत्री थी। राधाकृष्णन का स्थान इन संततियों में दूसरा था। इनके पिता काफ़ी कठिनाई के साथ परिवार का निर्वहन कर रहे थे। इस कारण बालक राधाकृष्णन को बचपन में कोई विशेष सुख नहीं प्राप्त हुआ।

विद्यार्थी जीवन- डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन का बाल्यकाल तिरूतनी एवं तिरूपति जैसे धार्मिक स्थलों पर ही व्यतीत हुआ। इन्होंने प्रथम आठ वर्ष तिरूतनी में ही गुजारे। यद्यपि इनके पिता पुराने विचारों के इंसान थे और उनमें धार्मिक भावनाएं भी थीं, इसके बावजूद उन्होंने राधाकृष्णन को क्रिश्चियन मिशनरी संस्था लुथर्न मिशन स्कूल, तिरूपति में 1896-1900 के मध्य विद्याध्ययन के लिए भेजा। फिर अगले 4 वर्ष (1900 से 1904) की शिक्षा वेल्लूर में हुई। इसके बाद इन्होंने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, मद्रास में शिक्षा प्राप्त की। वह बचपन से ही मेधावी थे।

इन 12 वर्षों के अध्ययन काल में डॉक्टर राधाकृष्णन ने बाइबिल के महत्त्वपूर्ण अंश भी याद कर लिए। इसके लिए इन्हें विशिष्ट योग्यता का सम्मान प्रदान किया गया। इस उम्र में इन्होंने वीर सावरकर और स्वामी विवेकानन्द का भी अध्ययन किया। इन्होंने 1902 में मैट्रिक स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की और इन्हें छात्रवृत्ति भी प्राप्त हुई। इसके बाद इन्होंने 1904 में कला संकाय परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इन्हें मनोविज्ञान, इतिहास और गणित विषय में विशेष योग्यता की टिप्पणी भी उच्च प्राप्तांकों के कारण मिली। इसके अलावा क्रिश्चियन कॉलेज, मद्रास ने इन्हें छात्रवृत्ति भी दी। उन्होंने दर्शन शास्त्र में एम.ए. किया और सन् 1916 में मद्रास रेजीडेंसी कॉलेज में दर्शनशास्त्र के सहायक प्राध्यापक नियुक्त हुए। वह प्राध्यापक भी रहे। डॉ. राधाकृष्णन ने अपने लेखों और भाषणों के माध्यम से विश्व को भारतीय दर्शन शास्त्र से परिचित कराया। सारे विश्व में उनके लेखों की प्रशंसा की गई।

दाम्पत्य जीवन- उस समय मद्रास के ब्राह्मण परिवारों में कम उम्र में ही शादी सम्पन्न हो जाती थी और राधाकृष्णन भी उसके उपवाद नहीं रहे। 1903 में 16 वर्ष की आयु में ही उनके विवाह दूर के रिश्ते की बहन सिवाकामू के साथ सम्पन्न हो गया। उस समय उनकी पत्नी की आयु मात्र 10 वर्ष की थी। अतः तीन वर्ष बाद उनकी पत्नी ने उनके साथ में रहना आरम्भ कर दिया। यद्यपि उनकी पत्नी सिवाकामू ने परम्परागत रूप से शिक्षा प्राप्त नहीं की थी, लेकिन उनका तेलुगु भाषा पर अच्छा अधिकार था। वह अंग्रेज़ी भाषा भी लिख-पढ़ सकती थीं। 1908 में राधाकृष्णन दम्पति को संतान के रूप में पुत्री की प्राप्ति हुई। 1908 में ही उन्होंने कला स्नातक की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त की और दर्शन शास्त्र में विशिष्ट योग्यता प्राप्त की। शादी के 6 वर्ष बाद ही 1909 में इन्होंने कला में स्नातकोत्तर परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली। इनका विषय दर्शन शास्त्र ही रहा। उच्च अध्ययन के दौरान वह अपनी निजी आमदनी के लिए बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का काम भी करते रहे। 1908 में इन्होंने एम. ए. की उपाधि प्राप्त करने के लिए एक शोध लेखन किया। इस समय इनकी आयु मात्र बीस वर्ष की थी। इससे शास्त्रों के प्रति इनकी ज्ञान-पिपासा बढ़ी। शीघ्र ही इन्होंने वेदों और उपनिषदों का भी गहन अध्ययन कर लिया। इन्होंने हिन्दी और संस्कृत भाषा का भी रुचिपूर्वक अध्ययन किया।

पत्नी का देहांत- डॉक्टर राधाकृष्णन को बचपन से ही पुस्तकों से प्रेम था। इस कारण तभी स्पष्ट हो गया था कि यह बालक बड़ा होकर विद्वत्ता एवं महानता का वरण अवश्य करेगा। उनका स्वभाव संकोची था, अतः वह घर के सामाजिक समारोहों में उत्साह एवं उल्लास का अनुभव नहीं करते थे। यह इनके परिवार के गहरे संस्कारों का ही प्रभाव रहा कि जीवन भर शाकाहारी रहे। इन्होंने कभी भी धूम्रपान अथवा मद्यपान नहीं किया। परिवार में प्रथम पुत्री पैदा होने के बाद अगले पन्द्रह वर्षों में राधाकृष्णन दम्पति को छह अन्य सन्तानें हुई। इस दौरान इनकी पत्नी का जीवन परिवार तथा पति के लिए पूर्णतया समर्पित रहा। लेकिन 26 नवम्बर, 1956 को इनकी पत्नी का देहांत हो गया। इस प्रकार 53 वर्ष तक साथ निभाने वाली जीवन-संगिनी का इन्हें विछोह भी सहन करना पड़ा। पत्नी की अन्तिम क्रिया सम्पन्न करने के बाद जब वह लौटे तो उन्होंने एक टिप्पणी की- एक लम्बे अध्याय का अंत हो गया। जीवन के नाजुक रिश्तों को भी उन्होंने दर्शन शास्त्र की परिभाषाओं के अनुसार अनुभूत किया था।

हिन्दूवादिता का गहरा अध्ययन- शिक्षा का प्रभाव जहाँ प्रत्येक इन्सान पर निश्चित रूप से पड़ता है, वहीं शैक्षिक संस्थान की गुणवत्ता भी अपना प्रभाव छोड़ती है। क्रिश्चियन संस्थाओं द्वारा उस समय पश्चिमी जीवन मूल्यों को विद्यार्थियों में गहरे तक स्थापित किया जाता था। यही कारण है कि क्रिश्चियन संस्थाओं में अध्ययन करते हुए राधाकृष्णन के जीवन में उच्च गुण समाहित हो गए। लेकिन उनमें एक अन्य परिवर्तन भी आया जो कि क्रिश्चियन संस्थाओं के कारण ही था। कुछ लोग हिन्दुत्ववादी विचारों को हेय दृष्टि से देखते थे और उनकी आलोचना करते थे। उनकी आलोचना को डॉक्टर राधाकृष्णन ने चुनौती की तरह लिया और हिन्दूवादिता का गहरा अध्ययन करना आरम्भ कर दिया। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन यह जानना चाहते थे कि वस्तुतः किस संस्कृति के विचारों में चेतनता है और किस संस्कृति के विचारों में जड़ता है। तब स्वाभाविक अंतर्प्रज्ञा द्वारा इस बात पर दृढ़ता से विश्वास करना आरम्भ कर दिया कि भारत के दूरस्थ स्थानों पर रहने वाले ग़रीब तथा अनपढ़ व्यक्ति भी प्राचीन सत्य को जानते थे। इस कारण राधाकृष्णन ने तुलनात्मक रूप से यह जान लिया कि भारतीय आध्यात्म काफ़ी समृद्ध है और क्रिश्चियन मिशनरियों द्वारा हिन्दुत्व की आलोचनाएँ निराधार हैं। इससे इन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि भारतीय संस्कृति धर्म, ज्ञान और सत्य पर आधारित है जो प्राणी को जीवन का सच्चा संदेश देती है।

5 अलग-अलग तरह की होती है SIP, इनमे से कौन-सी एसआईपी है आपके लिए बेहतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैसे तो एसआईपी कई तरह के होते हैं। आज हम इसके मुख्य प्रकार के बारे में बात करेंगे। एसआईपी के जरिए निवेशक आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर पाते हैं। वहीं एसआईपी के तहत कई तरह की सुविधाएं जैसे किस्तों में निवेश करना, एसआईपी Pause का ऑप्शन, निवेश रकम चुनने और बढ़ाने का विकल्प इत्यादि शामिल हैं। आमतौर पर निवेशक एसआईपी के एक ही टाइप यानी रेगुलर एसआईपी में निवेश करता है। हालांकि एसआईपी के कई और भी टाइप है। जिसमें निवेश कर भविष्य के लिए मोटा फंड तैयार किया जा सकता है। अलग-अलग एसआईपी के उद्देश्य भी अलग-अलग है। इसलिए आपके लिए कौन-सा टाइप बेहतर है, ये व्यक्तिगत पसंद और उद्देश्यों पर निर्भर करता है।

कितने टाइप के होते हैं एसआईपी- एसआईपी के कई प्रकार हो सकते हैं। आज हम इनमें से चयनित कुछ टाइप के बारे में बात करेंगे। निवेशकों द्वारा ज्यादातर इन्हीं टाइप का इस्तेमाल भी होता है। 1. रेगुलर एसआईपी- आमतौर पर निवेशक रेगुलर एसआईपी में ही निवेश करता है। जिनमें एक तय अवधि के लिए, तय अमाउंट का चयन कर मौटा फंड तैयार होता है। इसमें आपको एसआईपी श्चड्डह्वह्यद्ग और निवेश रकम जब चाहे बढ़ाने का भी विकल्प मिलता है।

एसआईपी के इस टाइप से हम सभी रूबरू हैं। वहीं इसका ही आमतौर पर ज्यादा इस्तेमाल करते हैं।

2. फ्लेक्सिबल एसआईपी- इसके तहत निवेशक जब चाहे, निवेश रकम बदल सकते हैं। इसमें रकम को लेकर निवेशकों को लचीलता मिलती है। ये एसआईपी उन लोगों के लिए बेहतर है, जिनकी कोई फिक्स इनकम नहीं होती। आप अपनी कमाई के हिसाब से निवेश रकम चुन सकते हैं।

3. स्टेप-अप- स्टेप-अप भी एसआईपी का एक टाइप है। ये टाइप उन लोगों के लिए बेहतर है, जो कम समय में मोटा फंड तैयार करना चाहते हैं। इसके तहत हर साल आपकी निवेश रकम का 10 फीसदी बढ़ जाता है। इस तरह से निवेश रकम बढ़कर, अच्छा खासा रिटर्न प्राप्त किया जा सकता है।

4 और 5 ELSS- ईएलएसएस भी एसआईपी का ही एक टाइप है। इसके तहत निवेशक सेक्शन 80सी के तहत टैक्स बेनिफिट प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही शेयर बाजार के बेहतरीन रिटर्न का फायदा भी उठा सकते हैं।

ट्रंप के एक ऐलान से बिखर गया टाटा का यह शेयर, एक्सपर्ट ने घटा दिया टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ ऐलान के बाद से टाटा मोटर्स के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में भारी गिरावट देखी गई। टाटा मोटर्स के शेयर आज बुधवार को मामूली गिरावट के साथ 616.10 रुपये पर बंद हुए। पिछले एक साल में यह शेयर करीबन 40% और इस साल अब तक 20% तक टूट चुका है। इसके बावजूद घरेलू ब्रोकरेज फर्म एमके ग्लोबल ने टाटा मोटर्स पर अपनी बाय रेटिंग दी है। हालांकि, ब्रोकरेज ने अपने टारगेट प्राइस को 16 प्रतिशत घटाकर 800 रुपये प्रति शेयर कर दिया है।

शेयरों के हाल- बता दें कि टाटा मोटर्स के शेयर पिछले तीन महीने में करीब 27 प्रतिशत तक गिर गए। इसकी वजह ग्लोबल मार्केट में बड़ी गिरावट है, जिसमें से करीब 17 प्रतिशत की गिरावट अमेरिका द्वारा ऑटोमोबाइल आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद आई है। दरअसल, टाटा मोटर्स की यूके स्थित सहायक कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को देखते हुए, जिसकी बिक्री का लगभग 32 प्रतिशत उत्तरी अमेरिका से आता है।

ब्रोकेरज की राय- एमके ग्लोबल का तर्क है कि परिचालन में ठोस बदलाव और बैलेंस शीट में सुधार के बावजूद बाजार जेएलआर की वैल्यूएशन कैपासिटी को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रहा है। ब्रोकरेज ने बताया कि जेएलआर का वित्त वर्ष 27 का ईवी/बिक्री रेशियो 0.7× ऐतिहासिक निचले स्तर के करीब मंडरा रहा है।

किसे मिलता है PM Awas Yojana का फायदा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर आए दिन कई योजनाएं लाती रहती है। इनमें से ही एक है, पीएम आवास योजना। इस योजना का उद्देश्य है कि सभी के पास रहने के लिए खुद का आवास या घर हो। वहीं स्कीम के तहत सरकार लोगों को घर लेने में सहायता देती है।

योजना की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक अब तक 92.21 लाख लोगों को घर आवंटित कर दिए गए हैं। वहीं सरकार ने इन 10 सालों में 8.07 करोड़ रुपये तक निवेश किए हैं। इस योजना के तहत केवल घर ही नहीं, मनरेगा के तहत रोजगार और फ्री बिजली और पानी की सुविधा भी दी जाती है।

इस योजना में अप्लाई करने के लिए आपको नीचे बताई गई योग्यता या पात्रता को पूरा करना होगा।

क्या है योजना से जुड़ी पात्रता?

इस योजना का लाभ लेने के लिए ये सबसे जरूरी है कि आवेदनकर्ता के पास कोई भी

पक्का मकान ना हो।

इस योजना में इनकम को लेकर अलग-अलग लिमिट तय की गई है।

जो कि इस प्रकार है-

EWS के लिए 3 लाख रुपये तक

LIG के लिए 3 लाख से 6 लाख रुपये तक

MIG-I के लिए 6 लाख से 12 लाख रुपये तक

MIG-II के लिए 12 लाख रुपये से 18 लाख रुपये तक

किसे दी जाती है प्राथमिकता- इस योजना में सबसे पहले प्राथमिकता उसे दी जाती है, जो एससी, एसटी और पिछड़ी जनजाति से हो।

इसके बाद उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनकी सैलरी अन्य के मुकाबले कम हो।

वहीं महिलाओं को भी चयन करते वक्त प्राथमिकता दी जाती है।

क्या-क्या मिलता है फायदा- इस योजना में केंद्र सरकार की ओर 1,20,000 प्रति यूनिट के हिसाब से आर्थिक मदद मिलती है। वहीं पहाड़ी इलाकों में 1,20,000 कीमत बढ़कर 1,30,000 हो जाती है।

इसके अलावा योजना के तहत कई अलग-अलग लाभ दिए जाते हैं।

आज भी रुपया हुआ कमजोर, जानें रुपया गिरने और बढ़ने से आपकी जेब पर क्या होता है असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप टैरिफ की खबर के बाद विश्व अर्थव्यवस्था डगमगाई हुई है। इसका सीधा असर गोल्ड, रुपयों की वैल्यू और शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। हालांकि इस टैरिफ पर 90 दिनों के लिए रोक लगा दी गई है। लेकिन अभी भी अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर जारी है। इससे बाकी देशों का ध्यान इन दोनों पर बना हुआ है।

वहीं विश्व अर्थव्यवस्था में भी हलचल है। इसके कारण गोल्ड का प्राइस लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं रुपयो की वैल्यू भी डाउन जारी है।

कितनी गिरी है आज रुपया की वैल्यू- अभी लिखते समय सुबह 10.07 बजें 1 रुपया की वैल्यू यूएस डॉलर के मुकाबले 0.15 फीसदी नीचे जा रही है। 1 डॉलर लेने के लिए हमें 85,6096 रुपये देने होंगे। रुपया की वैल्यू में आई गिरावट और बढ़त का असर आम आदमी पर सबसे ज्यादा होता है। वहीं बिजनेसमैन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

आम आदमी पर होने वाला प्रभाव - रुपया गिरने पर - अगर रुपये की वैल्यू डॉलर के मुकाबले कम होती है। तो ये एक तरह से आने वाली महंगाई की ओर इशारा कर रहा है। इसे ऐसे समझें कि रुपया की वैल्यू कम होने से हमे आयात करने पर दूसरे देशों को ज्यादा पैसे देने होंगे। वहीं दूसरे देश हम से कम पैसों में माल निर्यात कर सकते हैं।

यात्रा के दौरान नहीं होगी कैश की झंझट, ट्रेनों में जल्द लगेगी ATM मशीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनों को बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इन्हीं प्रयासों के चलते रेलवे ने ये तय किया कि वे अब यात्रियों को ट्रेन में ही एटीएम मशीन की सर्विस भी देगी। इससे यात्रियों को कैश से जुड़ी कोई समस्या नहीं होगी।

वहीं इस सुविधा को लेकर रेलवे विभाग ने अपना ट्रायल भी पूरा कर लिया है। पीटीआई की माने तो रेलवे विभाग की ओर से ये ट्रायल मनमाड और मुंबई के बीच चलने वाली पंचवटी एक्सप्रेस में लिया गया है।

मंगलवार को सीआर के चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर स्वप्निल नीला ने कहा ये एटीएम अभी पंचवटी एक्सप्रेस में ट्रायल के आधार पर लगाया गया है। पीटीआई के मुताबिक ये ट्रायल एटीएम पंचवटी के एयर कंडिशन्ड चेयर कार कोच में स्थापित किया गया है। ये एटीएम प्राइवेट कंपनी द्वारा लगाया है। इसे जल्द ही आम लोगों के लिए शुरू किया जाएगा।

ट्रेनों में कहां लगेगी एटीएम मशीन- रेलवे विभाग के मुताबिक इन एटीएम मशीन को ट्रेन के कोच के आखिरी कक्ष में लगाया जाएगा। ये जगह वहीं होगी, जहां पहले अस्थायी पेंट्री लगाई जाती थी। वहीं चलती ट्रेन में सुरक्षा को बनाए रखने के लिए शटर और दरवाजें भी लगाए जाएंगे।

ट्रेन में मिलती है ये भी सुविधाएं - अब आप ट्रेन में बैठे-बैठे ही गर्म खाना ऑर्डर कर सकते हैं। इसके लिए अब आपको कही जाने की भी जरूरत नहीं है। आप आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.ecatering.irctc.co.in पर जाकर खाना बुक कर सकते हैं। वहीं लैंडलाइन नंबर 1323 और whatsapp नंबर 8750001323 पर भी ऑर्डर के साथ स्टेटस चेक किया जा सकता है।

इसके अलावा रेलवे द्वारा स्2इञ्जह्वद्बद्य नामक ऐप भी चलाई जाती है। इस ऐप के जरिए आप रेलवे से जुड़ी कई अलग-अलग सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं। रेलवे आज हर मिडल क्लास लोगों का पसंदीदा यात्रा का साधान है। क्योंकि ये कम समय में लंबी यात्रा तय करवा देता है।

वहीं अगर आप यहीं यात्रा किसी ओर यातायात साधान से करते हैं, तो आपके कई ज्यादा पैसे खर्च होंगे। इसके साथ ही डेस्टीनेशन तक पहुंचाने में लंबा समय लग जाता है। इसलिए ज्यादातर लोग ट्रेन का ही चयन करते हैं।

घर की लक्ष्मी करेगी बड़ी बचत, सरकार और बैंक दे रहे हैं महिलाओं को होम लोन पर ये फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप हाल फिलहाल में होम लोन लेने का प्लान बना रही है, तो ये आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि सरकार और बैंक खुद महिलाओं को होम लोन लेने में मदद करेगी। महिलाओं के होम लोन से केवल ब्याज कम नहीं होगा, बल्कि टैक्स बेनिफिट के साथ कई फायदे मिलेंगे।

आज हम इन्हीं फायदों के बारे में डिटेल में बात करने वाले हैं। इसके साथ ही आप अपनी पत्नी, मां या बहन के साथ ज्वाइंट लोन लेकर भी कई फायदे प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा महिलाएं अकेली खुद कई लाभ की पात्र बन सकती है।

ब्याज हो जाएगा कम- अगर आप महिला उधारकर्ता हैं, तो ऐसे में कई बैंक कम ब्याज दर पर लोन ऑफर करती है। जिससे सिर्फ आपका ब्याज का बोझ कम नहीं होता। बल्कि ईएमआई भी कम हो जाती है। इसके साथ सेविंग में भी बढ़ोतरी होती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मजाक बनी कानून व्यवस्था, कहीं धार्मिक जुलूस पर पथराव तो कहीं पुलिस पर हमला

भोपाल । बीते तीन दिनों में सांप्रदायिक सद्भाव और माहौल बिगाड़ने की प्रदेश में तीन बड़ी घटनाओं ने यह संकेत दिया है कानून-व्यवस्था पंगु होती जा रही है। पुलिस-प्रशासन घटनाएं होने के बाद सक्रियता दिखा रहा है। सबसे पहले गुना में हनुमान जयंती के जुलूस पर पथराव हुआ। नीमच में शराबियों और उपद्रवियों ने तीन जैन मुनियों को पीटा।

भिंड में आंबडेकर जयंती के उपलक्ष्य में निकले गए जुलूस में डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद और फायरिंग से एक मौत हो गई। जानकारों का कहना है कि यह घटनाएं कभी भी बड़ा रूप ले सकती हैं, पर पुलिस के बड़े अधिकारी घटना होने के बाद ही सजगता दिखाते रहे हैं।

पुलिस मुख्यालय की खुफिया शाखा ने जून 2023 में शासन को एक रिपोर्ट सौंपकर आगाह किया था कि सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाली घटनाएं बढ़ सकती हैं। रिपोर्ट में वर्ष 2018 से 2023 के बीच हुई सांप्रदायिक घटनाओं का विश्लेषण कर बताया गया था कि सबसे अधिक घटनाएं छेड़छाड़, हत्या और हत्या के प्रयास में हो रही हैं। ताज्जुब तो यह कि इतनी महत्वपूर्ण जानकारी होने के बाद पुलिस और प्रशासन सजग नहीं हुआ। सांप्रदायिक घटनाओं से

पूरे देश में प्रदेश की छवि खराब हो रही है।

घटनाएं जिनमें बिगड़ी कानून-व्यवस्था की स्थिति

हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार रात गुना में जुलूस निकल रहा था। एक धार्मिक स्थल के पास से निकलने के दौरान जुलूस पर पथराव हो गया, जिससे स्थिति बिगड़ गई।

मुरैना जिले के हिंगोना खुर्द गांव में सोमवार को आंबेडकर जयंती पर निकले जुलूस में तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद गोली चली, जिसमें 26 वर्ष के एक युवक की मौत हो गई।

नीमच के कछला गांव के हनुमान मंदिर पर रविवार रात सो रहे तीन जैन मुनियों पर छह असामाजिक तत्वों ने हमला कर बुरी तरह से पीटा। भोपाल व दूसरी जगह भी उपद्रवियों द्वारा निर्दोष लोगों से मारपीट और वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी हैं।

सात सितंबर 2024 में रतलाम के मोचीपुरा इलाके में गणेश प्रतिमा लेकर जा रहे जुलूस पर कुछ अराजक तत्वों ने पथराव कर दिया था, जिससे तनाव फैल गया।

कानून-व्यवस्था बिगड़ने की वजह राजनीतिक हस्तक्षेप में पुलिस की एकपक्षीय कार्रवाई। पुलिस का खुफिया तंत्र असफल होना। आवश्यकता के अनुसार पुलिस बल नहीं है। प्रदेश में स्वीकृत सवा लाख बल में से लगभग 95 हजार ही पदस्थ हैं।

रात्रि गश्त की व्यवस्था बेहद कमजोर हो गई है, जिससे अपराधियों में पुलिस का डर नहीं है।

पुलिस आयुक्त व्यवस्था वाले भोपाल शहर में बागसेवनिया थाना क्षेत्र में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट और अशोका गार्डन में अवैध काल सेंटर चलवाने में पुलिस की मिलीभगत उजागर हो चुकी है।

ऐसी घटनाओं को संभालने का राजनीतिक रूप से भी प्रयास होना चाहिए। ऐसी घटनाओं को लेकर पुलिस और प्रशासन को सतर्क रहना चाहिए। पुलिस को दोनों पक्षों के बीच पहले से सामंजस्य बनाने का प्रयास करना चाहिए। महत्वपूर्ण है कि पुलिस कितनी स्वतंत्र और निष्पक्ष है। अगर राजनीतिक रूप से पुलिस को नियंत्रित कर उससे काम करवाना है तो यह सब तो होगा।
- अरुण गुर्टू, सेवानिवृत्त आईपीएस।

पुलिस का मनोबल बढ़ाकर रखना चाहिए

पुलिस बल संख्या बढ़ाने, बेहतर प्रशिक्षण और उसे अत्याधुनिक उपकरणों से लैस करने की आवश्यकता है। घटनाओं पर नियंत्रण के प्रयास बेहतर होने चाहिए। राजनीतिक इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। पुलिस का मनोबल बढ़ाकर रखना चाहिए।- एनके त्रिपाठी, सेवानिवृत्त डीजीपी।

हर काम राजनीतिक माध्यम से हो रहा है

ऐसी घटनाएं अप्रत्याशित नहीं होती, बल्कि पहले पूरा माहौल बनता है। सरकार, पुलिस और प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं। पुलिस बल की संख्या कम है, ऊपर से पुलिस दूसरे काम भी कर रही है। उसे सिर्फ पुलिसिंग करनी चाहिए। हर काम राजनीति के माध्यम से हो रहा है। बदमाश और गुंडे बढ़ रहे हैं। वे नेताओं के दम पर नेता उनके दम पर चल रहे हैं। शिकायतों की शुरुआत में सुनवाई नहीं होती, जिससे हालात बिगड़ते हैं।

- शैलेष सिंह, सेवानिवृत्त, विशेष पुलिस महानिदेशक।

ग्वालियर में रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव को 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 2.52 करोड़ रुपए

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में थाटीपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद को 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 2.52 करोड़ रुपए की ठगी कर ली गई। ठगों ने नासिक पुलिस का अफसर बनकर फोन किया था। स्वामी सुप्रदिप्तानंद को नरेश गोयल मनी लांड्रिंग केस में फंसा बताकर ठगी की गई। सबसे पहला कॉल 17 मार्च को आया था। इसके बाद उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया। इस मामले में ग्वालियर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एफआईआर दर्ज की है। संभवत- यह मध्यप्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा डिजिटल अरेस्ट है। यहां बता दें कि रामकृष्ण आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद के पहले उज्जैन में आश्रम का काम देखने वाले प्रबंधन के साथ भी डिजिटल अरेस्ट की घटना हुई थी। उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर 71 लाख रुपए की ठगी की गई थी।फोन पर धमकाकर कहा खाते में हुआ है अनैतिक लेनदेन 17 मार्च को दो अलग-अलग नंबरों से स्वामी सुप्रदिप्तानंद के पास कॉल आया।

इसके बाद उन्हें धमकाया कि उनके नाम से केनरा बैंक में खाता है। उसमें 20 करोड़ रुपए का अनैतिक लेनदेन हुआ है। उन्हें इसकी पीडीएफ भी भेजी गई। धमकाने वाले पुलिस की ड्रेस में थे। पीछे नासिक पुलिस का बोर्ड भी लगा था। 26 दिन तक देशभर के अलग-अलग बैंक खातों में 2.52 करोड़ रुपए ट्रांसफर करा लिए। यह राशि 15 अप्रैल को वापस करने के लिए बोला गया था। लेकिन जब राशि वापस नहीं आई तब स्वामी सुप्रदिप्तानंद से एसएसपी धर्मवीर सिंह से शिकायत की।

बुंदेलखंड में प्रशासन करे सुनवाई, इसलिए कोई लुढ़कते हुए तो कोई घुटनों के बल पहुंचा कार्यालय

छतरपुर । प्रशासन की जनसुनवाई में शिकायती आवेदन पर गंभीरता से गौर हो, इसलिए लोग तरह तरह के जतन कर रहे हैं। मंगलवार को बुंदेलखंड से ऐसे ही दो मामले सामने आए, जहां अतिक्रमण की शिकायत को लेकर छतरपुर में एक महिला लुढ़कते हुए तो निवाड़ी में एक युवक पैड भरते हुए पहुंचा।

छतरपुर में जिला पंचायत सभाकक्ष में जनसुनवाई में पहुंची पहरा गांव निवासी हीरामनि गुप्ता को परिसर में लगभग 25 फीट तक लुढ़कते हुए आते देख कलेक्ट्रेट के गेट पर पुलिसकर्मियों ने रोक लिया। उसे समझाकर जनसुनवाई में

पहुंचाया। उसका कहना था कि उसकी जमीन पर गांव के दबंग ने कब्जा कर लिया है। आखिर परेशान होकर इस तरह आना पड़ा

गौरिहार में अफसरों के यहां स्वजन के साथ खूब चक्कर काटे लेकिन सुनवाई नहीं हुई। आखिर परेशान होकर उसे इस तरह आना पड़ा। उसकी पट्टे की जमीन है। सालों से उसका परिवार परेशान हो रहा है।

पीड़िता के स्वजन दुर्गाप्रसाद, नंदकिशोर और नीरज ने आवेदन में आरोप लगाए हैं कि राजाभैया, रामकिशुन, रामदीन रज्जू, लल्ला आदि निवासी खड्डी ने कब्जा कर रखा है।पैड भरते हुए पहुंचे

अधिकारी सीमांकन तक नहीं कर रहे हैं। एडीएम मिलिंद नागदेवे ने सीमांकन के निर्देश अधिकारियों को दिए। उधर, निवाड़ी में शासकीय जमीन को पटवारी से साठगांठ कर पट्टे की बताकर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए ओरछा निवासी जितेंद्र पैड भरते हुए पहुंचा।

आज से और बढ़ेगी गर्मीज कुछ इलाकों में छाएंगे बादल, रात का पारा भी चढ़ेगा

भोपाल । अलग-अलग स्थानों पर बनी चार मौसम प्रणालियों के प्रभाव से कुछ नमी मिलने का सिलसिला बना हुआ है। इस वजह से प्रदेश में कहीं-कहीं बादल छाए हुए हैं। हालांकि इसके बाद भी दिन का तापमान स्थिर ही बना हुआ है।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, बुधवार से तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक नर्मदापुरम एवं जबलपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बारिश हुई। उज्जैन में गर्म रात रही। मंगलवार को प्रदेश में सबसे अधिक 42.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रतलाम में दर्ज किया गया।यहां बने हैं चक्रवात

मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि वर्तमान में पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। दक्षिण मध्य प्रदेश के मध्य में हवा के ऊपरी भाग में भी एक चक्रवात है। इस चक्रवात से लेकर दक्षिण पश्चिम बंगाल तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जो छत्तीसगढ़, ओडिशा से होकर जा रही है।

इसी चक्रवात से दूसरी द्रोणिका कर्नाटक तक बनी हुई है। बुधवार से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के हिमालयीन क्षेत्र में सक्रिय होने की संभावना है। हालांकि ये मौसम प्रणालियां कमजोर हैं, इस वजह से बुधवार से तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने की बात कही जा रही है। फिलहाल अभी दो-तीन दिनों तक लू चलने के आसार नहीं हैं। कहीं-कहीं छा सकते हैं बादलमौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि हवा का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी बना हुआ है। हवा के साथ कुछ नमी भी आ रही है। इस वजह से कहीं-कहीं बादल बन जाते हैं। इस वजह से फिलहाल दिन का तापमान नहीं बढ़ रहा है। उधर, बादल बने रहने के कारण कुछ शहरों में रात का तापमान बढ़ सकता है। इससे रात गर्म होने की आशंका है।

चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए 383 करोड़ 22 लाख रूपये की राशि स्वीकृत

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के किसानों के समन्वित विकास के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशु पालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में प्रचलित योजनाओं को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश किसान कल्याण मिशन को प्रारंभ करने की सैद्धांतिक अनुमति दी गयी।

मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृषि उत्पादकता (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) वर्ष 2002-2003 में 1195 था जो वर्ष 2024 में 2393 हो गया। यह वृद्धि 200 प्रतिशत हो गयी है। फसल उत्पादन (लाख मीट्रिक टन) वर्ष 2002-2003 में 224 एवं वर्ष 2024 में 723 होकर 323 प्रतिशत हो गयी है। कृषि विकास दर (प्रतिशत में) 2002-2003 में 3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 9.8 प्रतिशत हो गयी। 327 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि क्षेत्र का बजट (करोड़ रूपये) वर्ष 2002-2003 में 600 करोड़ एवं वर्ष 2024 में 27050 करोड़ होकर वृद्धि दर 4508 प्रतिशत हुई। मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र का योगदान प्रदेश की जीडीपी में 39 प्रतिशत है।

म.प्र. कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को जलवायु-अनुकूल बनाना, धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाना, जैव विविधता और परम्परागत कृषि ज्ञान संरक्षण, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है।

किसानों की आय में वृद्धि- कृषि तथा उद्यानिकी के अंतर्गत फसलों की उत्पादकता में वृद्धि, उच्च मूल्य फसलों की खेती, गुणवत्तापूर्ण आदानों की उपलब्धता - बीज, रोपण सामग्री, उर्वरक, कीटनाशक, और कृषि विस्तार एवं क्षमता विकास, सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की आसान उपलब्धता, खाद्य प्र-संस्करण और कृषि आधारित उद्योग, वैल्यू-चैन विकास और मौजूदा वैल्यू-चैन का सुदृढ़ीकरण, मप्र की विशिष्ट समस्याओं के लिए अनुसंधान एवं विकास है।

कृषि तथा उद्यानिकी सस्टेनेबल कृषि पद्धतियां के अंतर्गत गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस (जीएपी) को अपनाना, जैविक/प्राकृतिक खेती क्षेत्र में बढ़ोतरी, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों के लिए मार्केट लिंकेज का निर्माण तथा सुदृढ़ीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद हेतु प्रमाण पत्र जारी करने तथा ट्रैसेबिलिटी सिस्टम को विकसित ,किसानों की उपज के उचित मूल्य सुनिश्चित करना,मंडियों का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन, मंडी कार्यो के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, मण्डी में पारदर्शी तथा निष्पक्ष नीलामी की प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं मंडी के बाहर उपज बेचने की सुविधा को विकसित करना, जिन फसलों में वायदा अनुबंधों की अनुमति है, उनकी कार्य योजना तैयार करना है।

प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए सरकार प्रतिबद्ध- उप मुख्यमंत्री

इंदौर। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण योजना की गहन समीक्षा की उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जल संसाधन मंत्री एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह और ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जय आरोग्य अस्पताल, ग्वालियर में सीटीवीएस (कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी) विभाग के आवश्यक पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव तैयार करने और अस्पताल भवन के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में ग्वालियर क्षेत्र के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास, मैन पॉवर, उपकरण उपलब्धता की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाओं के उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार समस्त अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाहर न जाना पड़े। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और चिकित्सकीय स्टॉफ की पर्याप्त नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है।

फसलों के अवशेष जलाने की घटनाओं के रोकथाम के लिए जारी किया गया प्रतिबंधात्मक आदेश

इंदौर। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में फसलों के अवशेष नरवाई को जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा समय-समय पर प्रदेश में फसलों विशेषतः गेहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने संबंधी जारी प्रतिबंधित निर्देश के परिपालन में जारी किये गये है। इन्दौर जिले के अंतर्गत फसल अवशेषों (नरवाई) रोकथाम, पर्यावरण सुरक्षा, आमजन एवं जीव जन्तुओं की जीवन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। आदेश में कहा गया है कि इंदौर जिले में किसी भी व्यक्ति द्वारा फसलों विशेषतः गेहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने की कार्यवाही की जाती है, तो उसके विरूद्ध इस आदेश का उल्लंघन के लिए कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

ज्ञान की अलख भी जगा रही महिला समूह सदस्य

इंदौर। ज्ञान दान अभियान अंतर्गत इंदौर जिले में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत गठित स्व-सहायता समूहों के परिसंघों द्वारा आज ग्राम स्तर पर पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया। इस पुस्तकालय का नाम आजीविका ज्ञान केन्द्र रखा गया है। आजीविका ज्ञान केन्द्र का मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर आकांक्षी युवाओं को प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी हेतु ग्राम स्तर पर निःशुल्क पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराना है। उपरोक्त केंद्र पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे आकांक्षी युवाओं व विद्यालयों में अध्यनरत छात्र/छात्राओं हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं की नवीनतम पुस्तकें,रोजगार समाचार पत्र, सामान्य ज्ञान की पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। वर्तमान में उक्त आजीविका ज्ञान केंद्र का शुभारम्भ जनपद देपालुपर के ग्राम गौतमपुरा व इन्दौर जनपद अन्तर्गत ग्राम तिल्लोर खुर्द में समूह की महिलाओं द्वारा किया गया है। उक्त आजीविका ज्ञान केन्द्र का संचालन ग्राम की समूह की सर्वाधिक शिक्षित सदस्यों द्वारा किया जायेगा। आजीविका ज्ञान केन्द्र पूर्ण रूप से दान की गयी पुस्तकों व सामग्री के माध्यम से संचालित किया जायेगा। उक्त आजीविका केन्द्रों हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों, समूह की महिलाओं, बेन्कर्स व आमजन द्वारा पुस्तकें,आवश्यक सामग्री व सहायता राशि उपलब्ध करायी जा रही है।

परशुराम जयंती पर सर्व ब्राह्मण युवा संगठन 30 अप्रैल को निकालेगी भव्य शोभायात्रा

इंदौर- सनातन धर्म की शक्ति और एकता का प्रतीक, भगवान श्री विष्णु के छठे अवतार भगवान श्री परशुराम की जयंती इस वर्ष इंदौर में अभूतपूर्व उत्साह और भव्यता के साथ मनाई जाएगी। सर्व ब्राह्मण युवा संगठन इंदौर अध्यक्ष पंडित संदीप जोशी ने आज इंदौर प्रेस क्लब में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि भगवान श्री परशुराम जयंती के पावन अवसर पर 30 अप्रैल 2025, अक्षय तृतीया (बुधवार) को शाम 6-00 बजे बापट चौराहे स्थित भगवान परशुराम मंदिर से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी। इस आयोजन में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक श्री रमेश मेंदोला, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। हजारों की संख्या में समाजजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बनेंगे, जो सनातन हिंदू समाज की एकजुटता और अखंडता का संदेश देगी।

हिमांशु प्रजापति ने एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक का पदभार ग्रहण किया

इंदौर। वर्ष 2019 बैच के आईएएस अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति ने आज एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) इंदौर के कार्यकारी संचालक का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने एमपीआईडीसी के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की जानकारी ली।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन हेतु विशेष अभियान 17 अप्रैल तक

इंदौर। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार संगठित और असंगठित क्षेत्रों के साथ-साथ गिग/प्लेटफार्म वर्कस श्रमिकों सहित सभी श्रेणियों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी वितरण के लिए एक व्यापक डेटाबेस ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा भी गिग/प्लेटफार्म वर्कस की सामाजिक सुरक्षा लक्षित करते हुए इस श्रेणी के श्रमिकों को संबल योजना से जोड़ा गया है। भारत सरकार ने केन्द्रीय बजट 2025-26 में गिग/प्लेटफार्म वर्कस को कवर करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की है। इसके अलावा उन्हें ई- श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा और पहचान पत्र प्रदान किये जायेंगे। गिग/प्लेटफार्म वर्कस के ई-श्रम पोर्टल तथा संबल पोर्टल पर पंजीयन हेतु 17 अप्रैल 2025 तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। ई-श्रम का पंजीयन ऑनलाइन लिंक https://register.eshram.gov.in/#/user/platform-worker-registration के माध्यम से स्वयं रजिस्ट्रेशन कर सकते है। इसमें श्रमिक का आधार कार्ड, एक्टिव आधार में लिंक मोबाइल नंबर व बैंक खाते की जानकारी अपडेट कर किया जा सकता है अथवा किसी भी सी.एस.सी. सेन्टर के माध्यम से भी पंजीयन कराया जा सकता है। संबल योजना के पंजीयन हेतु किसी भी एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क से आवेदन किया जा सकता है। इंदौर जिले में कार्यरत गिग/प्लेटफार्म वर्कस जैसे जोमेटो, स्वीगी, ईट श्योर, फूड पांडा, अमेजोन, फ्लिपकार्ट, बिग बास्केट, ग्रोफर, जेप्टों, ब्लिंकिट, बेस्टप्राईस, मेट्रो, डी-मार्ट, ओला, उबर, जुगनू, रेपिडो आदि में कार्य करने वाले ऐसे कर्मचारी जो कम्पनी में नियमित कर्मचारी नहीं है से अपील की गई है कि वे अपना पंजीयन ई-श्रम पोर्टल पर तत्काल कराकर योजना का लाभ उठायें।

जुड़ायल रहु की मंगल कामना के साथ मनाया गया मैथिल नववर्ष जुड़ शीतल

इंदौर। शहर में निवासरत मैथिल समाज ने मंगलवार, 15 अप्रैल को पारंपरिक श्रद्धा और आस्था के साथ मैथिल नववर्ष 'जुड़ शीतल' जिसे बसिया पावैन भी कहा जाता है को पूरी गरिमा और उल्लास के साथ मनाया। प्रातःकाल घर-घर में पूजा अर्चना के साथ पर्व की शुरुआत हुई। घर की बड़ी-बुजुर्ग महिलाओं ने परिवार के छोटे सदस्यों को पूजा घर में रखे बासी जल से माथे को सिक्त करते हुए जुड़ायल रहु यानी सदा शीतल, शांत और समृद्ध बने रहो, का आशीर्वाद दिया।

इस पवित्र जल का छिड़काव पेड़-पौधों, तुलसी चौरा, घर की चौखटों व आंगनों में भी किया गया, जिससे वातावरण में शुद्धता और शीतलता बनी रहे।

आज मैथिल परिवारों के घरों में चूल्हा नहीं जलाया गया। पारंपरिक नियमों का पालन करते हुए परिवारजनों ने बासी भात, बड़ी, दही और कैरी की चटनी का सेवन किया– यह न केवल स्वास्थ्यप्रद आहार है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत का भी प्रतीक है। शाम को घरों में मिथिला का प्रसिद्ध पकवान दैलपूरी , खीर एवं मिथिला के पारंपरिक व्यंजन बनाए गए।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम, वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नवागत कलेक्टर श्री सिंह ने परिचयात्मक बैठक ली

उज्जैन । बुधवार को नवागत कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल स्थित सभा कक्ष में समस्त जिला अधिकारीयों के साथ परिचयात्मक बैठक ली गई ।कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा अधिकारियों का औपचारिक परिचय प्राप्त किया गया।

इसके साथ ही उन्होनें बैठक में सभी को निर्देश दिए कि उनके विभाग से संबंधित समस्त शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक हितग्राही को पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाये। आम जन को सुशासन प्रदाय करने के लिए सभी अधिकारी निरन्तर प्रयास करें। आगामी सिहंस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत जो भी निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं उनकी योजनाऐं समग्र रूप से बनाई जाये ओर समय सीमा में योजना का क्रियान्वयन किया जाये। यदि विभागीय अधिकारीयों को क्रियान्वयन में कोई समस्या आ रही है तो वे तुरंत उन्हे अवगत करायें।

कलेक्टर श्री सिंह ने वर्तमान में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी रुप से क्रियान्वयन और गेहूँ उपार्जन के संबंध में निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गेहूँ उपार्जन क?ी प्रतिदिन प्रात: काल समीक्षा की जाये और उपार्जन संबंधी समस्याओं का निराकरण भी किया जाये। जिले में किसान आईडी बनाये जाने का कार्य तेज गति से किया जाए।

समस्त एसडीएम जिले में कानुन व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें। आपस में संसूचना निरंतर बनाए रखें। उनके अधिकार क्षैत्र से संबंधित समस्त प्रकार के समाचारों से अपने आप को अद्यतन रखें। सभी विभागों के अधिकारी विभाग से संबंधित सकारात्मक समाचारों और सफलता की कहानियों का व्यापक प्रचार प्रसार करें। सीएम हैल्पलाईन और जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का त्वरीत निराकरण किया जाए। नए वित्तीय वर्ष में जो नए लक्ष्य विभागों को प्राप्त हुए हें उन्हें समय सीमा में पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में उज्जैन जिले कि स्थिति को अग्रणी रखने के प्रयास किए जाएं। बैठक में एडीएम श्री प्रथम कौशिक, सीईओ जिला पंचायत श्रीमति जयति सिंह ,सीईओ स्मार्ट स?िटी श्री संदीप शिवा, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी, समस्त एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत,तहसीलदार एवं संबंधित विभागों के अधिकारी गण मौजुद थे।

सार्थक संगिनी परिवार उज्जैन का हुआ दायित्व ग्रहण समारोह

उज्जैन। सार्थक संगिनी की कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें नवीन सत्र 2025-27 के लिए अध्यक्ष कविता कासलीवाल, सचिव ऋचा सूर्या, कोषाध्यक्ष तृष्णा जैन सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की।

संस्थापक अध्यक्ष प्रीति कावड़िया द्वारा आयोजित समारोह में कार्यकारिणी की अन्य सदस्यों को पूर्व अध्यक्ष नूतनजी द्वारा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत मस्ती की पाठशाला से हुई। गठन होने के पाश्चात्य सर्वप्रथम सेवा प्रकल्प किया गया। जिसमें पक्षी को दाना पानी अध्यक्ष कविता कासलीवाल और सकोरे प्रतिजी, नूतनजी और विनीताजी द्वारा दिए गए। औलीजी करने वालों की अनुमोदना व सम्मान किया गया। आज की थाली सुकून वाली के तहत जरूरतमंद को 1 थाली सालभर देने का निर्णय लिया। गौ सेवा का भी संकल्प लिया। फिर मस्ती की पाठशाला में शुरू हुआ मस्ती, धमाल, फोटो, रील का सिलसिला जो थमा नहीं। इस मस्ती में सभी संगीनियों को गेम्स और तंबोला खिलाया गया और श्रद्धाजी द्वारा ज़िला शॉप की तरफ 15 संगिनियों को हैंपर व बाकियों को गिफ्ट वाउचर दिए गए। प्रथानुसार एक लक्की ड्रॉ भी निकला गया जिसमें प्रिया नांदेचा द्वारा एक चांदी का सिक्का दिया गया। सभी संगीनियों ने फीस व फॉर्म भरकर उपहार पाया। कार्यक्रम में सभी संगीनियाँ उपस्थित रही।

बैसाखी पर्व पर छबील में 5 हजार लोगों को पिलाया शर्बत, लस्सी

उज्जैन। खत्री अरोड़वंशिय पंजाबी समाज द्वारा बैसाखी पर्व पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। वहीं फ्रीगंज टॉवर पर छबील लगाई जिसमें 5000 गिलास शर्बत व लस्सी वितरित की गईं। संध्या 7 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम व पंजाबी भोजन का कार्यक्रम रखा गया जिसमें बड़ों के लिए रैम्प वॉक एवं फ़ैशन शो का आयोजन किया गया। समाज के सभी उम्र के लोगों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया। सरंक्षक अश्विन नरूला, अध्यक्ष अजय जुल्का, महासचिव भूषण खुल्लर व पंजाबी विकास समिति की अध्यक्ष शालिनी नारंग, शुभ्रा जुल्का।

वैष्णव बैरागी समाज का नि :शुल्क सामूहिक विवाह कल

उज्जैन। वैष्णव बैरागी समाज उज्जैन द्वारा 18 अप्रैल को बड़नगर रोड, कार्तिक मेला प्रांगण के पास, हनुमानगढ़ी में नि:शुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इसमें 22 जोड़े सम्मिलित होंगे। सम्मेलन प्रात: 8 बजे से शुरू होगा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री राष्ट्रीय ट्रस्ट अध्यक्ष रामचंद्र वैष्णव मुंबई, विशेष अतिथि इन्द्रजीत वैष्णव, वैष्णव विकास परिषद मुंबई के पदाधिकारी, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर बैरागी और अलवर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष टीकम वैष्णव अलवर और उनकी कार्यकारिणी, उदयपुर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भगवान वैष्णव होंगे। आशीर्वाददाता संत महंत और वरिष्ठ समाजजन इस आयोजन में शामिल होंगे। सम्मेलन को सफल बनाने की अपील राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामेश्वर बैरागी उज्जैन, अनिल बैरागी, रमेश बैरागी, रामदास पालीबड़ोद, मोहन बैरागी, विनोद कुमार बैरागी आदि ने की।

विश्व वाणी दिवस पर कृषि वाणी की गूंज– विक्रम विवि में विशेष परिसंवाद का आयोजन

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान एवं कृषि अध्ययनशाला द्वारा संयुक्त रूप से विश्व वाणी दिवस के अवसर पर एक विशेष परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विशेषता रही नाबार्ड राजस्थान से पधारे डॉ. आर. एस. गोस्वामी, निदेशक (से.नि.) ग्रामीण पशु एवं कृषि विकास प्रशिक्षण सेवा संस्थान, भीलवाड़ा/कोटा से संबद्ध विषय विशेषज्ञ की गरिमामयी उपस्थिति।

ार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. भारद्वाज के आशीर्वचन संदेश से हुआ, जिसमें उन्होंने आयोजन को आत्मीयता और पवित्रता से परिपूर्ण बताते हुए कहा कि कृषि वाणी वास्तव में प्रभु वाणी के समान है। उन्होंने संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता एवं कृषि अध्ययनशाला के प्रो. डॉ. राजेश टेलर को इस अभिनव पहल के लिए बधाई दी और कहा कि वाणी की शक्ति और उसके महत्व को समझना, उसे संजोना और उसका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है।

मुख्य वक्ता डॉ. आर. एस. गोस्वामी ने अपने 32 वर्षों के नाबार्ड राजस्थान के फील्ड अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कृषि वाणी में गहराई, संवेदना और सेवा की भावना होती है। उन्होंने आधुनिक ड्रोन टेक्नोलॉजी को वाणी दिवस से जोड़ते हुए अपने नेचुरल रिसोर्स एवं ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट से संबंधित अनुभव भी साझा किए।

प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता, निदेशक, पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि ÷विश्व वाणी दिवस महज स्पीच नहीं, एक भावना, विनम्रता और पवित्रता का अहसास है।÷ उन्होंने बताया कि यह दिवस हर वर्ष 16 अप्रैल को मनाया जाता है। वाणी केवल ध्वनि नहीं, बल्कि आत्मा की अभिव्यक्ति है। यह हमारे विचारों, भावनाओं और पहचान को व्यक्त करने का माध्यम है, चाहे वह मां की लोरी, शिक्षक की सीख हो या कवि की कविता – वाणी हर स्तर पर लोगों को जोड़ती है, प्रेरित करती है और सामाजिक परिवर्तन की नींव रखती है।

उन्होंने यह भी कहा कि बड़े-बड़े भाषण नहीं, प्रभावी संवाद ज़रूरी है। वाणी दिवस का उद्देश्य केवल बोलना नहीं बल्कि सार्थक संवाद, सहानुभूति से सुनना और समझना है।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में संप्रेषण विशेषज्ञ प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता, कार्य परिषद सदस्य प्रो. डॉ. कामरान सुल्तान, प्रो. डॉ. डी. डी. बेदिया, प्रो. डॉ. संदीप तिवारी, डॉ. सचिन राय ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि वाणी का एक वैज्ञानिक पहलू भी है, जो हमें याद दिलाता है कि हमारी आवाज़ भी हमारे स्वास्थ्य का अभिन्न हिस्सा है। गायक, शिक्षक, कॉमेंटेटर, वक्ता, कॉल सेंटर, कृषि, व्यवसाय, कानून जैसे क्षेत्रों में वाणी एक उपकरण के समान है, जिसकी नियमित देखभाल आवश्यक है।

सीएमएचओ पटेल को दिया कर्मचारी संघ ने ज्ञापन

उज्जैन। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने सीएमएचओ ए के पटेल को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में एनएचएम अकाउंटेंट रितेश पारुलकर के साथ बीएमओ के द्वारा अभद्रता करना, शहरी एएनएम का दो दिवस का वेतन गलत तरीके से काटना, पूर्व में न्यू बहु उद्देशी स्वास्थ्य कर्मचारी का हड़ताल अवधि का वेतन का भुगतान नहीं करना आउटसोर्स कर्मचारी को शासन के आदेश के बाद भी न्यूनतम वेतन से कम भुगतान करना, एवं न्यूनतम वेतन एरियर राशि का भुगतान नहीं करना, कर्मचारियों को आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कभी भी निकाल देना, मात्र 6,7 हजार में काम करवाना जैसी प्रमुख मांगे मुख्य चिकित्सा अधिकारी पटेल के सामने रखी गई।

सीएमएचओ पटेल के द्वारा जल्द सभी मांगो की जांच करवा कर पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया। ज्ञापन का वाचन स्वास्थ्य विभाग विभाग की समिति अध्यक्ष नवीन पांडे ने किया। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी, जिला संयोजक ओम यादव, एमआर मंसूरी, नवीन पांडे, सत्यनारायण अहिरवार, राकेश पाठक, संजय पुरेया, संदीप पाटिल, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, पुरुषोत्तम शर्मा, राकेश पाठक, अलीम पठान, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, विष्णु कांत पांचाल, अनस खान आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com